हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन परंपरा

डॉ. नवीन नन्दवाना

हिन्दी विभाग

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

www.fppt.info

मिश्रबंधु

- मिश्रबंधुओं में 3 लोग शामिल थे-

  गणेश बिहारी मिश्र ,

  श्याम बिहारी मिश्र ,

  शुकदेव बिहारी मिश्र।

www.fppt.info

मिश्रबंधु

- ग्रंथ का नाम-

  मिश्रबन्धु विनोद (चार भाग),

  प्रथम तीन भाग 1913 में

  और

  चौथा भाग 1934 ई. में प्रकाशित हुआ।

www.fppt.info

मिश्रबंधु विनोद

- इस ग्रंथ में लगभग 5000 कवियों का जीवन परिचय दिया गया है।
- आचार्य शुक्ल का कथन है– "कवियों के परिचयात्मक विवरण मैंने प्राय: मिश्रबन्धु विनोद से ही लिए हैं।"
- इतिवृतात्मक लेखन यहीं से आरम्भ हुआ।

www.fppt.info

मिश्रबंधु विनोद

- तुलनात्मक पद्धति का अनुसरण करते हुए कवियों की श्रेणियां बनाने का प्रयास किया।

- इन्होंने देव-बिहारी विवाद को जन्म दिया जो अगले दस वर्षों तक चर्चा का विषय रहा।

www.fppt.info

मिश्रबंधु विनोद

- अनेक अज्ञात कवियों को प्रकाश में लाने का कार्य भी मिश्र बंधुओं ने किया।

- इन्होंने कवियों का साहित्यिक महत्त्व निर्धारण की ओर भी ध्यान दिया।

www.fppt.info

धन्यवाद !

www.fppt.info